प्रेषक,

कमलेश कुमार,
उप सचिव
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/ महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ दिनांक 06 अगस्त, 2026

विषय:- केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़ में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी मुकुल त्रिवेदी पुत्र श्री अमरनाथ, निवासी जनपद-औरैया की 14 वर्षीय नामिनल रोल के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वरिष्ठ अधीक्षक, (मु0) कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उ0प्र0 के पत्र संख्या-47880/प्रो0अनु0(2)-309/2025 (बैठक दिनांक 19.12.2025), दिनांक 30.12.2025 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़ में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी मुकुल त्रिवेदी पुत्र श्री अमरनाथ, जो मो0 सत्तेश्वर, थाना-औरैया, जनपद-औरैया का निवासी है। दिनांक 22.07.2009 को होमगार्ड द्वारा अभियुक्त को युवती के साथ संदिग्ध हालत में घूमने की सूचना पाकर होमगार्ड द्वारा पूछताछ के लिये कोतवाली लेकर जाते समय रास्ते में अभियुक्त ने तमन्चे से गोली मारकर होमगार्ड रामचन्द्र की हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-193, 194/2009 में भा0द0वि0 की धारा-302 व 25ए एक्ट के अन्तर्गत अपर सत्र न्यायाधीश, कोर्ट संख्या-05, उरई के आदेश दिनांक 05.10.2013 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 20.06.2024 तक अपरिहार 14 वर्ष, 10 माह, 28 दिन तथा सपरिहार 17 वर्ष, 09 माह, 21 दिन की सजा भोगी गयी है। दिनांक 20.06.2024 तक बंदी की आयु लगभग 31 वर्ष 10 माह 17 दिन है।

पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, औरैया द्वारा बंदी द्वारा कारित अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित करने, दोनो पक्षों में विवाद की सम्भावना होने, पुनः अपराध करने में सशक्त होने, जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या प्रेषित करते हुये समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

क्रिमिनल रिट याचिका संख्या-48/2014 भारत संघ बनाम वी० श्रीहरन उर्फ मुर्गन व अन्य में मा० उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा पारित आदेश दिनांक 02.12.2015 के अनुपालन में मा० दण्डन न्यायालय के पीठासीन अधिकारी ने अभिमत दिनांक 29.05.2025 प्रेषित आख्या में अंकन किया गया है कि "जेल नियमों, शासन के निर्देशों के अन्तर्गत तथा जेल मैनुअल के आधार पर निर्णय/कार्यवाही हेतु स्वतंत्र है। मा0 न्यायालय द्वारा इस सन्दर्भ में किसी टिप्पणी की आवश्यकता नहीं है।"

सलाहकार समिति का अभिमत है कि प्रकरण का गहनता से परिशीलन करने पर पाया गया कि दिनांक 22.07.2009 को होमगार्ड द्वारा अभियुक्त को युवती के साथ संदिग्ध हालत में घूमने की सूचना पाकर होमगार्ड द्वारा पूछताछ के लिये कोतवाली लेकर जाते समय रास्ते में अभियुक्त ने तमन्चे से गोली मारकर होमगार्ड रामचन्द्र की हत्या कर दी। मा० उच्चतम न्यायालय के उपरोक्त निर्णयों में प्रतिपादित सिद्धान्तों के आलोक में पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नही की गई है। उपरोक्त से स्पष्ट है कि बन्दी को कारागार से

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

रिहा करने पर समाज में भय का वातावरण व्याप्त होगा तथा लोक व्यवस्था एवं शान्ति व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। प्रकरण में ऐसा कोई तथ्य परिलक्षित नहीं है, जिसके आधार पर पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट की आख्या/संस्तुति के प्रतिकूल अवधारणा बनाई जा सके। इस प्रकार समिति द्वारा सम्यक् विचारोपरान्त मत स्थिर करते हुये बंदी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता व बन्दी को कारागार से रिहा करने से समाज में भय का वातावरण व्याप्त होने, लोक व्यवस्था एवं शान्ति व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं किये जाने के दृष्टिगत सी०आर०पी०सी० की धारा-432 द०प्र०सं० के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी मुकुल त्रिवेदी पुत्र श्री अमरनाथ को उ०प्र० जेल मैनुअल प्रस्तर-180 के अन्तर्गत 14 वर्षीय नामिनल रोल के आधार पर समयपूर्व रिहा किये जाने की **संस्तुति नहीं की गयी है।**

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़ में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी मुकुल त्रिवेदी (बन्दी संख्या-27013) पुत्र श्री अमरनाथ, निवासी जनपद-औरैया की जेल मैनुअल के प्रस्तर-180 के अन्तर्गत 14 वर्षीय नामिनल रोल के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है।

कृपया उपरोक्त निर्णय से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करे।

भवदीय,
कमलेश कुमार
उप सचिव।

संख्या-1046/2026/2510(1)/22-2-2025 तद्दिनांक...

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- जिला मजिस्ट्रेट, औरैया।
2- पुलिस अधीक्षक, औरैया।
3- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़।
4- निजी सचिव, मा0 मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
5- निजी सचिव, मा0 मंत्री/ मा0 राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
अभय कुमार त्रिपाठी
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।